

प्रेषक,

एस0 राजू0  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,  
उद्योग निदेशालय,  
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 07 फरवरी, 2011

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 में उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून के अन्तर्गत भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई देहरादून के कार्यालय भवन निर्माण हेतु अवशेष धनराशि स्वीकृति के संबंध में शासनादेश दिनांक 15.12.2010 के प्रस्तर-2 में आंशिक संशोधन किये जाने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या-4980/उ.नि.(दो)-39/बजट/वृ.नि./2010-11 देहरादून दिनांक 31 दिसम्बर, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या:3215/VII-II-10/151-ख/2006 दिनांक 15 दिसम्बर 2010 के प्रस्तर-2 में आंशिक संशोधन करते हुए 'स्वीकृत धनराशि आहरित करके निदेशक उद्योग के द्वारा अपने पी.एल.ए. खाते में रखी जायेगी, और इसे आवश्यकतानुसार उपयोग की स्थिति को देखते हुए तीन किशतों में पी.एल.ए. में पूर्व किशत का पूर्ण उपयोग के बाद अग्रेतर किशत आहरित की जायेगी के स्थान पर स्वीकृत धनराशि संबंधित को नियमानुसार तीन किशतों में उपलब्ध करायी जायेगी, पढ़े जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त शासनादेश को केवल इस सीमा तक संशोधित समझा जाय, अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0सं0:815/XXVII(2)/2010 दिनांक 28 जनवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 राजू0)  
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 04 / VII-II-11 / 151-ख / 2006 तद दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/रूड़की।
5. अपर सचिव वित्त, (बजट)/नियोजन उत्तराखण्ड शासन।
6. उप निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. परियोजना प्रबन्धक, निर्माण विंग उत्तराखण्ड पेयजल निगम देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस0 राजू0)  
प्रमुख सचिव।